

क्षमापन पुं. (तत्.) क्षमा करने का काम, माफी, माफ करने का काम/क्रिया।

क्षमाभुक् पुं. (तत्.) पृथ्वीपति, भूपति, राजा।

क्षमाभुज पुं. (तत्.) मंगल ग्रह।

क्षमाभूत पुं. (तत्.) 1. पर्वत, पहाड़ 2. राज कुमार।

क्षमावान वि. (तत्.) 1. क्षमा करने वाला, माफ करने वाला 2. सहनशील, सहिष्णु।

क्षमाशील वि. (तत्.) 1. माफ कर देने की सद्वृत्ति वाला, क्षमावान 2. सहनशील, शांत प्रकृति वाला, सहिष्णु।

क्षमाष्ट पुं. (तत्.) संगीत में चतुर्दश ताल का एक भेद।

क्षमित वि. (तत्.) क्षमा प्राप्त, जिसे क्षमा किया गया हो।

क्षमितव्य वि. (तत्.) क्षमा करने योग्य, क्षंतव्य, जिसे क्षमा किया जा सके।

क्षमिता वि. (तत्.) क्षमा करने वाला, क्षमाशील।

क्षमी वि. (तत्.) 1. क्षमाशील, क्षमावान, माफ करने वाला 2. समर्थ।

क्षम्य वि. (तत्.) 1. क्षमा करने योग्य, माफ करने योग्य 2. जो दंडनीय न हो।

क्षयंकर वि. (तत्.) नाश करने वाला, क्षयकारी, नाशक।

क्षय पुं. (तत्.) 1. धीरे-धीरे घटना, हास 2. अपचय 3. प्रलय, कल्पांत, नाश 4. घर, मकान वासस्थान 5. यक्ष्मा नामक रोग, क्षयी 6. संवत्सरों में अंतिम संवत्सर का नाम 7. ऋण राशि 8. राजा के अष्टवर्ग (ऋषि, बरती, दुर्ग, सेतु, हस्तिबंधन, खान, करग्रहण और सेना) की अवनति 9. चांद्रमास, जिसमें सूर्य की दो संक्रातियाँ होती हैं 10. वंश, जाति 11. यमालय 12. गणित में ऋण का चिह्न या राशि 13. हाथी के घुटने का एक भाग।

क्षयकारी वि. (तत्.) क्षयरोग से ग्रस्त।

क्षयकाल पुं. (तत्.) प्रलयकाल, संहार का समय।

क्षयकास पुं. (तत्.) क्षयरोग में होने वाली खाँसी।

क्षयण पुं. (तत्.) 1. शांत जलवायु 2. बंदरगाह या खाड़ी 3. निवास स्थान 4. क्षय होने का भाव।

क्षयतरु पुं. (तत्.) 1. स्थाली नामक वृक्ष, बेलिया, पीपल।

क्षयतिथि स्त्री. (तत्.) वह तिथि जो व्यवहार में लुप्त मानी जाए, तिथि क्रम में इसकी गणना नहीं की जाती।

क्षयथु पुं. (तत्.) क्षय की खाँसी, कास।

क्षयपाख पुं. (तत्. तद्वत्) कृष्ण पक्ष, अँधेरे का पक्ष, चांद्रमास का वह पक्ष जिसमें चंद्रमा नित्य कुछ क्षीण होता है।

क्षयमास पुं. (तत्.) दो संक्रांतियों वाला चांद्रमास जो 341 वें वर्ष और कभी-कभी 19 वें वर्ष में आता है, हीन मास।

क्षयरोग पुं. (तत्.) यक्ष्मारोग, तपेदिक, वह रोग जिसमें शरीर धीरे-धीरे क्षीण होता जाता है।

क्षयरोगी वि. (तत्.) क्षयरोग से पीड़ित, क्षयी।

क्षयवान् वि. (तत्.) नाशवान, नष्ट होने वाला।

क्षयवायु स्त्री. (तत्.) प्रलयकाल में बहने वाली वायु।

क्षयिक वि. (तत्.) क्षयरोग ग्रस्त, क्षय पीड़ित।

क्षयित्व पुं. (तत्.) क्षय होने का भाव।

क्षयिष्णु वि. (तत्.) क्षय होने वाला, छीजने वाला, नष्ट होने वाला।

क्षयी वि. (तत्.) क्षय होने वाला, नष्ट होने वाला, क्षय रोग ग्रस्त पुं. (तत्.) चंद्रमा। स्त्री. (तत्.) एक रोग, यक्ष्मा, राज यक्ष्मा, तपेदिक।

क्षय्य वि. (तत्.) क्षय होने योग्य, जिसका क्षय हो सके।

क्षर वि. (तत्.) 1. नाशवान, नष्ट होने वाला 2. चल, जंगम पुं. (तत्.) 1. जल 2. मेघ 3. जीवात्मा 4. शरीर 5. अज्ञान 6. कारण और कार्य।